Poverty - गरीब

- यदि कोई व्यक्ति अपने जीवन की आधारभूत आवश्यकताओं जैसे रोटी कपड़ा मकान स्वास्थ्य शिक्षा, स्वच्छता आदि को पुरा करने में असमर्थ है उसे गरीबी कहते हैं।

- गरीबी एक सामाजिक आर्थिक समस्या है।

- अमर्त्य सेन के अनुसार गरीबी क्षमताओं का अभाव है एवं उन्होंने इसे वास्तविक गरीबी कहा है अपनी प्रसिद्ध "Development and freedom" में

Types of poverty

- सापेक्ष गरीबी / परम गरीबी
- Human poverty मानव गरीबी
- Absolute poverty निरपेक्ष गरीबी पूर्ण गरीबी

1 Human poverty :-

- यह गरीबी की एक अवधारणा है जो आय की कमी के कारण गरीबी है सीमित दृष्टिकोण से पड़े हैं

- यह किसी व्यक्ति को उचित जीवन स्तर बनाये रखने के लिए के राजनैतिक, सामाजिक और आर्थिक अवसरों से बँचित करने को संदर्भित करता है।

निरक्षरता / असाक्षरता नौकरी के अवसरों में कमी, उचित स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता तक पहुँच की कमी जाति और लिंग भेदभाद आदि मानव गरीबी कहलाते है·

Relative poverty सापेक्ष गरीबी

इस प्रकार की गरीबी में गरीबी का आकलन दो व्यक्तियों एवं दो देशो के बीच तुलना करके किया जाता है।

- सापेक्ष गरीबी मे गरीबी का आंकलन असमानता को दर्शा कर किया जाता है।
  अर्थात आय के वितरण मे असमानता
- सापेक्ष गरीबी को अर्थात असमानता दर्शाने के लिए दो विधियों का प्रयोग किया जाता है।

i). Lorenz' curve

ii). Ginni curve

Lorenz curve

i). इसे max o Lorenz ने 1905 मे दिया था।

ii). Lorenz वक्र देश मे आय के वितरण को दर्शाता है।

iii) Lorenz वक्र पर 20% आय 45% लोगो के पास

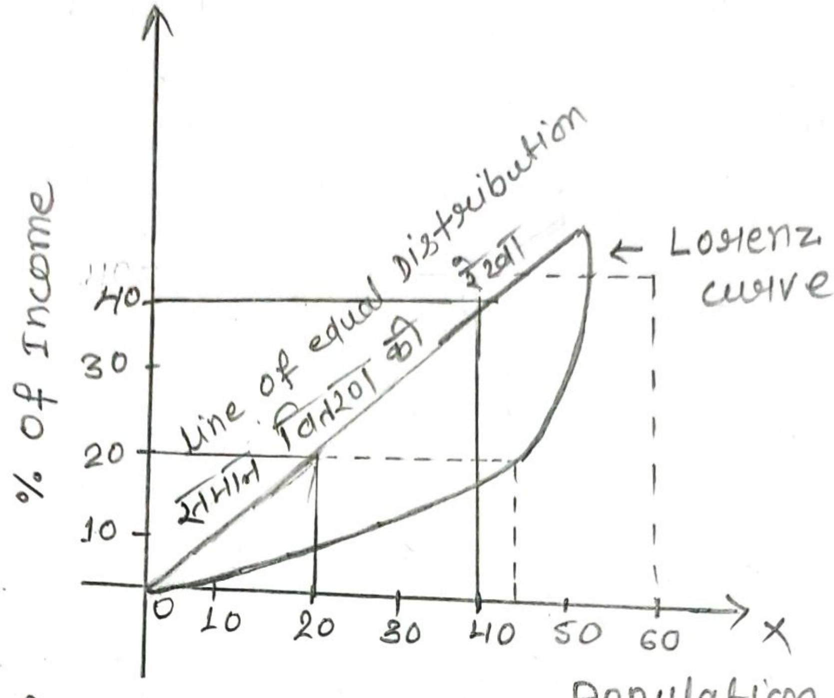

55% लोग → 80% Income

Lorenz वक्र के द्वारा यह स्पष्ट किया जाता है। कि देश मे आय का 20% हिस्सा 45% लोगों के पास है अतः Lorenz curve यह दर्शा रहा है कि देश के 55% लोगो के पास देश की आय का 80% हिस्सा है।

Ginni Cofficient

1. यह 1912 में corredo Ginni के द्वारा किया गया था।
2. Ginni गुणांक देश मे आय के असमानता की Degree को दर्शाता है।
3. Ginni गुणांक का मूल्य 0 से 1 तक होता है। जहाँ पर

GC = 0 = पूर्ण समानता (Perfect Equality)

GC = 1 = पूर्ण असमानता (Perfect Inequality)

iv) Ginni गुणांक निम्नलिखित formula से किया जाता है।

$$\text{Ginni गुणांक} = \frac{A}{A+B}$$

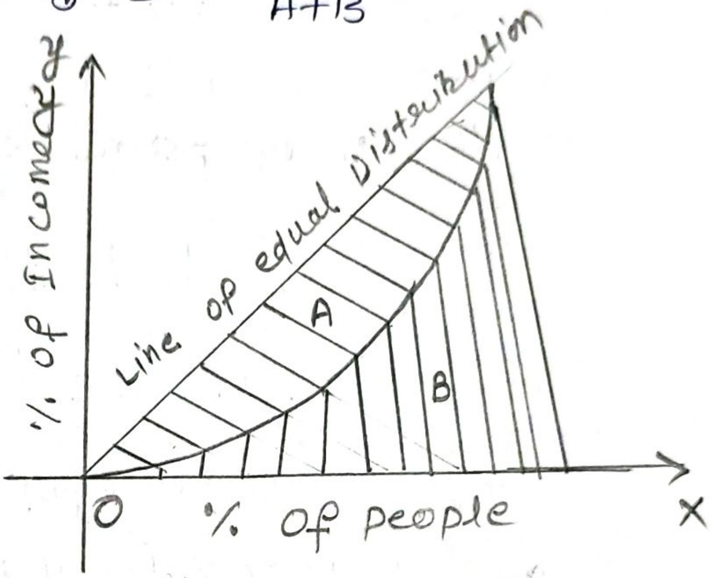

Types of Ginni Cofficient

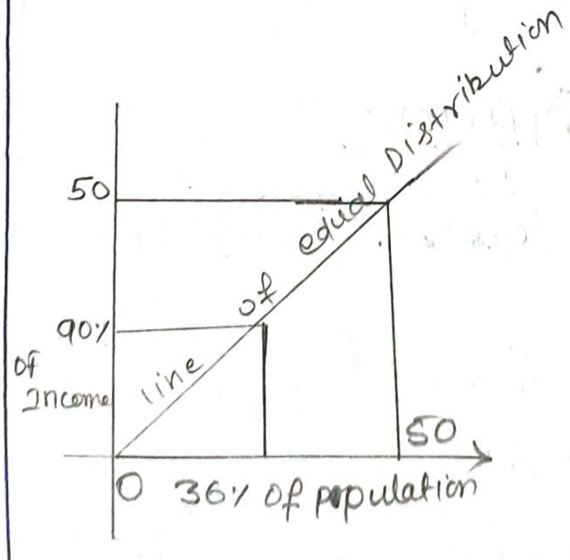

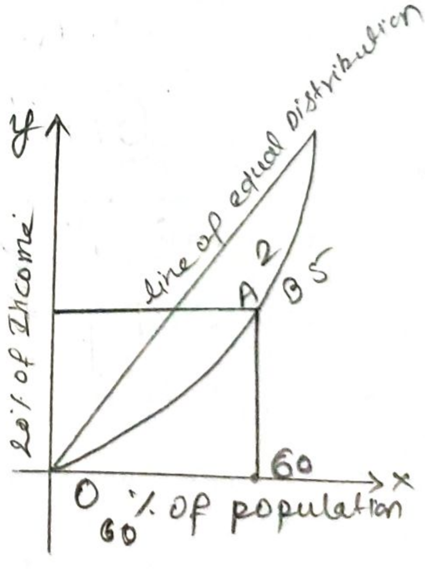

$G_1 = 0$ (Perfect equality)

$G_1 = \frac{A}{A+B} = \frac{0}{0}$

$G_1 = 0$

$G_2 = 2/5 = 0.4$

$G_2 = \frac{2}{2+3} = \frac{2}{5} = 0.4$

Inequality

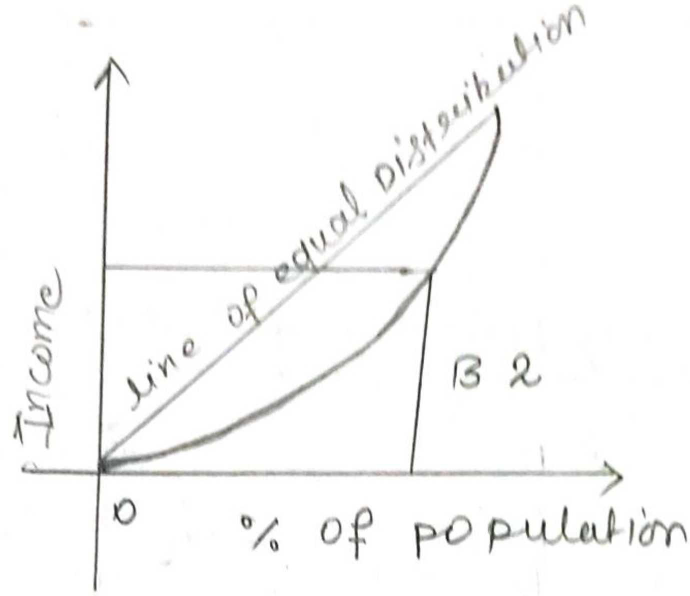

$G_3 = \frac{3}{5} = 0.6$

(अधिक असमानता)

$G_3 = \frac{A}{A+B}$

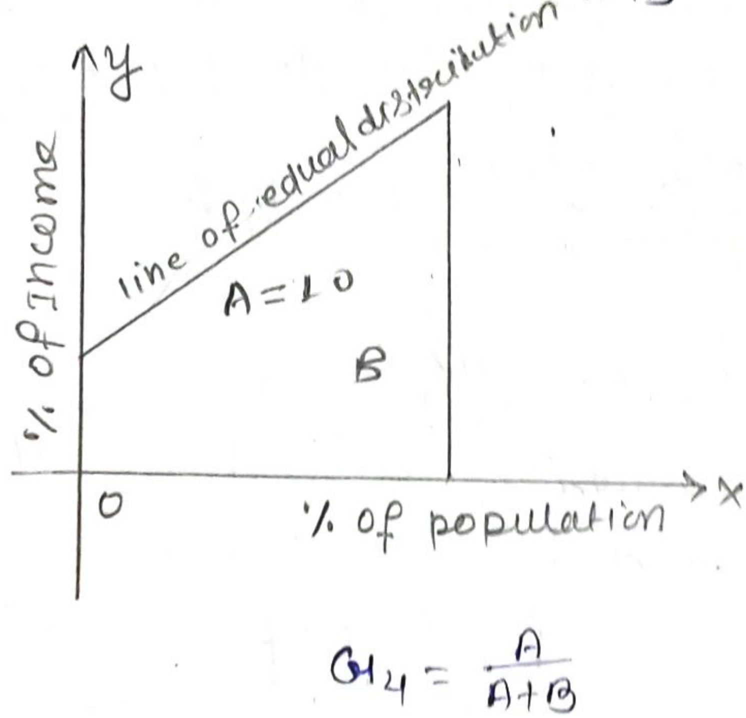

$G_4 = \frac{A}{A+B}$

$G_4 = \frac{10}{10+10} = 1$

perfect Inequality

$G_4 = 1$ (पूर्ण असमानता)

Absolute poverty
निरपेक्ष / पूर्ण गरीबी

1) इस प्रकार की गरीबी मे गरीबी का आंकलन गरीबी रेखा के आधार पर होता है।

* **POVERTY LINE (गरीबी रेखा) :-**

यह वह रेखा है जो लोगो को दो हिस्सो मे बांटती है जो लोग इस रेखा से नीचे होते है उन्हे गरीब और जो लोग इस रेखा से ऊपर होता है उसे गैर - गरीब कहते है।

* **Head count ratio :-**

गरीबी से रेखा के नीचे ~~से~~ जितने लोग रहते है

Head count Ratio → No. of people Below P.L

↑ Non - poor

――――――――― poverty line

↓ poor

विश्व बैंक के अनुसार :-

यदि कोई व्यक्ति $ 2.15 per day से कम जीता है तो उसे गरीब कहते है।

$ 2.15 / Day

Methods of Drawing poverty line in India
भारत में गरीबी रेखा के मापन की विधियाँ

आजादी से पहले Pre-Independence

a). **दादा - भाई नौरोजी** → poverty and un British Rule In India (1901) → Book

↓

₹ 16 – ₹ 35 per person/year

↓

Diet पर खर्च

b). **National-planning committee – 1938 राष्ट्रीय योजना समिति**

↓

₹ 15 – ₹ 20 प्रति व्यक्ति / month

15-20 P/m

↓

जीवन स्तर पर (Standard living)

c). **Bombay plan (1944) :-**

↓

₹ 75 प्रति व्यक्ति / year

Absolute poverty

ABSOLUTE POVERTY
पूर्ण गरीबी

↓

गरीबी रेखा
Poverty line

Calories Intake
कैलोरी

↑ Non poor / ↓ poor	PL

Household Consumption Expenditure
पारिवारिक उपभोग व्यय

आजादी के बाद (After Independence) :-

a). V.M Dandekar & N. Rath समिति

i). समिति बनाई गई :—

ii). इसने 1971 में Report जमा की।

iii). इस समिति ने सर्वप्रथम calories के आधार पर गरीबी रेखा का मापन किया।

iv). 2250 Kilo. cal per person/ per day:

b). Y.K Alagh समिति

i). Base year → 1973–1974

ii) गठन → 1977

iii). Report जारी की → 1979

Poverty line
गरीबी रेखा

ग्रामीण क्षेत्र Rural Area	शहरी क्षेत्र Urban Area
Calories → 2400 K cal/P/D	2100 K cal/P/D
पारिवारिक उपभोग व्यय ₹ 49.09 P/m	₹ 56.64/p/m

D.T. Lakdawala समिति

a) गठन – 1989

b). Report जारी की – 1993

c). इनकी report Y.K A lagh पर आधारित थी।

Suresh Tendulkar Committee :-

1. Base year → 2011-12

2. गठन → 2005

3. Report जारी की – 2009

Poverty line गरीबी रेखा

Rural Areas ग्रामीण क्षेत्र	Urban Areas शहरी क्षेत्र

Rural Areas

Calories → 2400 K cal/P/D

पारिवारिक उपभोग व्यय] ₹ 816/P/m
₹ 27/P/D
₹ 4086/Household/m

Urban Areas

- 2100 K cal/P/D
- ₹ 1000/P/m
- ₹ 33 /P/D
- ₹ 5000/m/m

C-Rangarajan-समिति

i) Base year → 2012-2014
ii) गठन → 2012 में
iii) Report Submitted की - 2014 में

i) Calories → Rural Areas → 2155 Kcal
→ Urban Areas → 2090 Kcal

Protein	fat
48 gm	28 gm
50 gm	26 gm

ii). पारिवारिक उपभोग व्यय → Rural Areas → ₹ 972/P/m
→ Urban Areas → ₹ 1407/P/m

32/P/D / 48 (60)/P/D/H/m

47/P/D/7035 H/m

Note

- भारत मे गरीबी के आंकड़ो को प्रकाशित करने का कार्य Niti (नीति आयोग)

Poverty Data → Publish → Niti Ayog

- भारत मे गरीबी के आंकड़े को एकत्रित करने का कार्य NSSO पहले करता था अब NSO का है।

INDIA → Poverty Data → collect – NSO → (पहले NSSO)

- भारत मे गरीबी के आंकड़े पारिवारिक उपभोग व्यय पर होते है।

Ragnar Nurkse

गरीबी का दुष्चक्र Poverty Trap

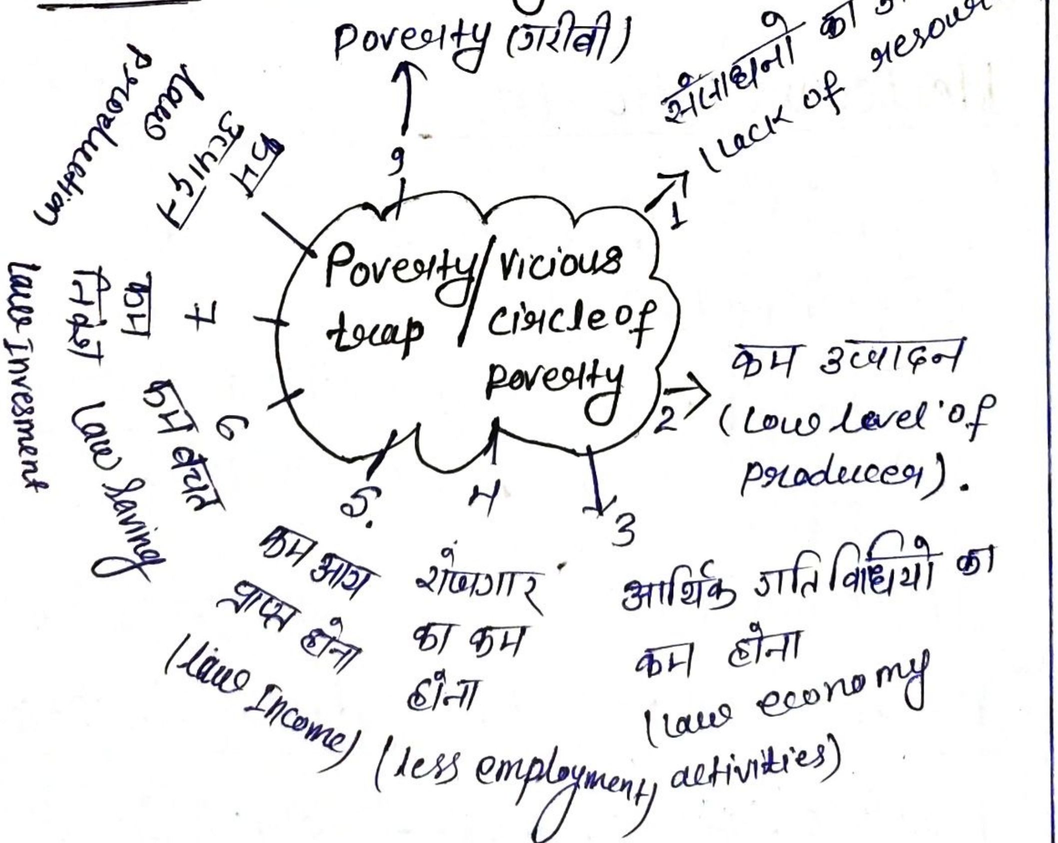

TRICKLE-DOWN APPROACH (रणनीति)

↳ poverty

यदि सिद्धांत कहता है कि गरीबी को कम करने के लिए आर्थिक समृद्धि करना आवश्यक है
अर्थात् यदि सरकार अर्थव्यवस्था में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देती है तब इससे गरीबी को दुर किया जा सकता है।

Economic Growth ⟶ Poverty Reduction

Govt. → औद्योगिकरण↑ → उत्पादन↑ ⟶ आर्थिक संवृद्धि
Industrilisation↑ Production↑ Eco.Gro.↑
→ रोजगार ↑
Employment
→ आय ↑ – पूरा कर पायेंगे ↑
Income Basic Needs

Headcount Ratio – (H)

- यह किसी देश मे कुल गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों से संबंधित है।

$$\text{Head count Ratio} = \frac{\text{कुल गरीबो की संख्या}}{\text{कुल जनसंख्या}}$$

Headcount Ratio को गरीबी की घटना भी कहते है।

Intensity of poverty गरीबी की तीव्रता – (A)

How poor are the poor – गरीब कैसे गरीब है?

गरीबी की तीव्रता से यह अभिप्राय है कि जो इन आयामों के औसत प्रतिशत पर विचार करती है जिनमें गरीब लोग वंचित हैं।

$$MPI = H \times A$$

Head count Ratio

- 2015-16 → 24.85 %
- 2019-21 → 14.96 %

Headcount Ratio

- Rural
  - 2015-16: 32.59 %
  - 2019-21: 19.28 %
- Urban
  - 2015-16: 8.65 %
  - 2019-21: 5.27 %

Intensity of poverty

- 2015-16: 47.14 %
- 2019-21: 44.39 %

UP, Bihar, MP, odisha, Rajstan मे अधिक दर से कम हुई है।

BIHAR

Headcount Ratio

- 2015-16: 51.89%
- 2019-21: 33.76%

Intensity of poverty

- 2015-16: 51.06%
- 2019-21: 47.40%

BIHAR मे बहुआयामी गरीबी :-

शहरी एवं शहरी क्षेत्रों में:-

year	Rural Area		Urban Area	
	Head count Ratio	Intensity Ratio	Head count Ratio	Intensity
2015-16	56.00%	51.14%	23.85%	49.02%
2019-21	36.95%	47.52%	16.67%	45.95%

World Inequality Report

World Inequality Lab (Paris school of economy

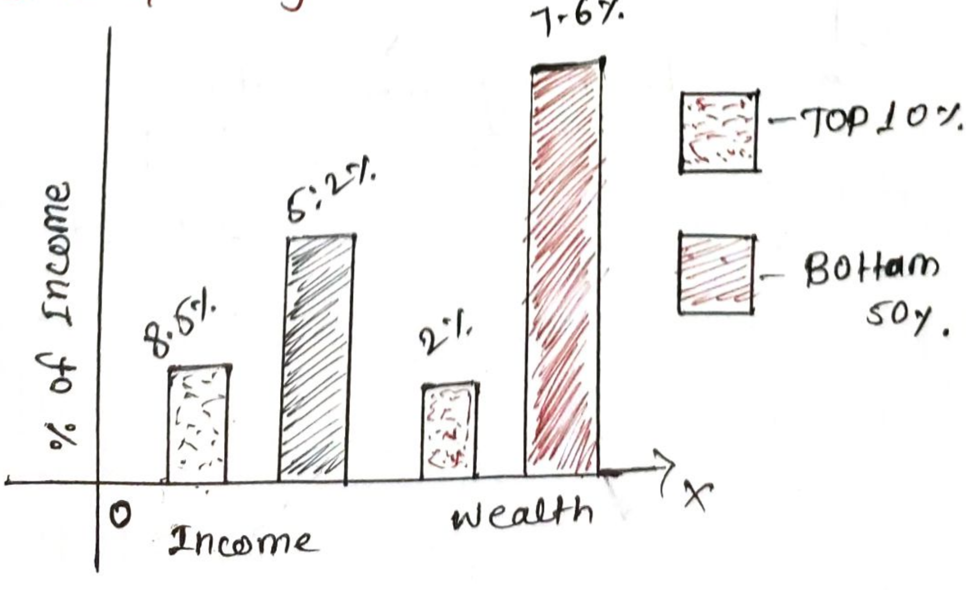

World Inequality Report in INDAA